INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

MPPSC-PCS

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

प्रारंभिक परीक्षा हेतु

भाग – 3

भारत और मध्यप्रदेश का भूगोल

प्रस्तावना

प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**MPPSC -PCS (Madhya Pradesh Public Service Commission) (प्रारंभिक परीक्षा हेतु)**" को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC)** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा "**संयुक्त राज्य / अपर अधीनस्थ सेवा (PCS)**" भर्ती परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें **/**

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

WhatsApp करें - https://wa.link/yqtoiy

Online order करें - https://bit.ly/3AAJwpU

मूल्य : ₹	**संस्करण : नवीनतम**

क्र. सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
	भारत का भूगोल	
1.	सामान्य परिचय	1-2
2.	भौगोलिक स्थिति एवं विस्तार • स्थलीय सीमायें • पड़ोसी देशों के मध्य सीमा विस्तार • पड़ोसी देशों के साथ भारत का सीमा विस्तार व सीमा संबंधी विवाद	2-9
3.	प्रमुख स्थलाकृतियाँ • भौतिक विभाजन • पर्वत एवं पहाड़ियाँ • प्रमुख दर्रे • मैदान • पठार • द्वीप समूह	10-35
4.	जलवायु घटनाएँ • मौसम तथा जलवायु में अंतर • भारत की जलवायु • मानसून का आगमन • अल - नीनो , ला - नीना • दक्षिणी दोलन, पश्चिमी विक्षोभ • कोपेन का जलवायु वर्गीकरण • जलवायु परिवर्तन के परिणाम	36-56
5.	वन संसाधन • सदाबहार वन • पतझड़ी या मानसूनी वन • शुष्क वन • मरूस्थलीय वन • ज्वारीय वन • पर्वतीय वन • सामाजिक वानिकी के उद्देश्य	56-63
6.	कृषि	

	• कृषि के प्रकार • भारत की फसल ऋतुएँ • प्रमुख फसलें	64-76
7.	जल संसाधन • पृथ्वी पर जल का वितरण • वर्षा जल संग्रहण एवं संरक्षण • राष्ट्रीय जल नीति	76-79
8.	खनिज संसाधन • भारत में खनिजों का वितरण	79-84
9.	ऊर्जा संसाधन • ऊर्जा के परंपरागत स्त्रोत • गैर-परम्परागत ऊर्जा स्रोत • ऊर्जा से संबंधित प्रमुख योजनाएँ	85-91
10.	उद्योग • भारत के प्रमुख उद्योग	91-101
11	भारत में प्राकृतिक खतरे एवं भूकंप • प्राकृतिक आपदाएं	102-104
12.	भारतीय जनगणना • जनसंख्या वृद्धि, वितरण, घनत्व, प्रवास	105-109
	<u>मध्यप्रदेश का भूगोल</u>	
1.	मध्यप्रदेश : स्थिति एव विस्तार	110-111
2.	मध्यप्रदेश के भौतिक प्रदेश • पर्वत, पठार, मैदान • मध्य भारत का पठार	112-115
3.	मध्यप्रदेश के वन एवं वनोपज • वन रिपोर्ट- 2021 • मध्यप्रदेश वन प्रशासन • वनों का वर्गीकरण • मध्यप्रदेश वन नीति	116-119
4.	मध्यप्रदेश की नदियाँ एवं जल संसाधन	

	• गंगा अपवाह तंत्र • नर्मदा अपवाह तंत्र • ताप्ती अपवाह तंत्र • गोदावरी अपवाह तंत्र • माही अपवाह तंत्र	119-123
5.	मध्यप्रदेश के पर्वत एवं श्रृंखलाएं • मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्वत	124-125
6.	मध्यप्रदेश की जलवायु • तापमान • जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक • मध्यप्रदेश की ऋतुएँ • मध्यप्रदेश में वर्षा का वितरण	125-127
7.	मध्यप्रदेश के खनिज संसाधन • मध्यप्रदेश में खनिज • मध्यप्रदेश में खनिजों का वितरण • मध्यप्रदेश खनिज नीति	128-131
8.	मध्यप्रदेश की प्रमुख सिंचाई एवं विद्युत योजना • मध्यप्रदेश की सिंचाई और नदी घाटी परियोजना	131-133
9.	मध्यप्रदेश में कृषि • मध्य में कृषि विकास योजनाएँ एवं संस्थाएँ • मध्यप्रदेश में कृषि विभागीय ढाँचा • मध्यप्रदेश में प्रमुख फसलें	134-136
10.	मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय उद्यान	137-138
11.	ऊर्जा के पारंपरिक और गैर पारंपरिक स्रोत	138-143
12.	मध्यप्रदेश के प्रमुख उद्योग	143-145
13.	मध्यप्रदेश की जनसंख्या • वृद्धि, वितरण, घनत्व, नगरीकरण	145-151

भारत का भूगोल

अध्याय – 1

सामान्य परिचय

- **अर्थ एवं परिभाषा :-** "ज्योग्राफी" (Geography) अंग्रेजी भाषा का शब्द है , जो ग्रीक (यूनानी) भाषा में '**ज्योग्राफिया**' (Geographia) शब्दावली से प्रेरित है । इसका शाब्दिक अर्थ "पृथ्वी का वर्णन करना है।"
- ज्योग्राफिया शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग यूनानी विद्वान '**इरैटॉस्थनीज**' (Eratosthenes 276-194 ई . पू .) ने किया था , इसके पश्चात विश्व स्तर पर इस पृथ्वी के विज्ञान विषय को ज्योग्राफी (भूगोल) नाम से जाना जाने लगा ।
- यूनानी एवं रोमन अधिकांश विज्ञानों ने पृथ्वी को ' चपटा ' या ' तस्तरीनुमा ' माना, जबकि भारतीय साहित्य में पृथ्वी एवं अन्य आकाशीय पिण्डों को हमेशा ' गोलाकार ' मान कर वर्णन किया । इसलिए इस विज्ञान को ' भूगोल ' के नाम से जाना जाता है।
- भूगोल 'पृथ्वी तल' या भू तल (Earthsurface) का विज्ञान है । इसमें स्थान (Space) व उसके विविध लक्षणों (Variable Characters), वितरणों (Distributions) तथा स्थानिक सम्बंधों (Spatial Relations) का मानवीय संसार (World of man) के रूप में अध्ययन किया जाता है ।
- "पृथ्वी तल" भूगोल की आधारशिला है , जिस पर सभी भौतिक मानवीय घटनाएँ एवं अन्तः क्रियाएँ सम्पन्न होती रही हैं । ये सभी क्रियाएँ ' समय ' एवं 'स्थान' के परिवर्तनशील सम्बन्ध में घटित हो रही हैं।
- पृथ्वी तल का भौगोलिक शब्दार्थ बहुत व्यापक है, जिसमें स्थल मण्डल , जल मण्डल, वायुमण्डल, जैव मण्डल, पृथ्वी पर सूर्य तथा चन्द्रमा का प्रभाव एवं पृथ्वी की गतियों का वैज्ञानिक आंकलन किया जाता है ।

  भूगोल में भौतिक एवं मानवीय पहलूओं और उनमें पारस्परिक सम्बंधों का अध्ययन किया जाता है । इसलिए प्रारम्भ से ही भूगोल विषय की दो प्रमुख शाखाएँ उभर कर आयी है ।

  (I)भौतिक भूगोल

  (ii) मानव भूगोल
- कालान्तर में विशिष्टीकरण (वर्ष 1950 के पश्चात) बढ़ने से इन दो शाखाओं की अनेक उप शाखाएँ विकसित होती गयी , जिससे विषय सामग्री एवं विषय क्षेत्र में समृद्धि आती गई ।
- ***भूगोल की प्रमुख शाखाएँ एवं उप शाखाएँ निम्नलिखित हैं :-***

भौतिक भूगोल	**मानव भूगोल**
1. भू गणित (Geodesy)	1. आर्थिक भूगोल (Economic Geography)
2. भू भौतिकी (Geophysics)	2. कृषि भूगोल (Agricultural Geography)
3. खगोलीय भूगोल (Astronomical Geog.)	3. संसाधन भूगोल (Resource Geography)
4. भू आकृति विज्ञान (Geomorphology)	4. औद्योगिक भूगोल (Industrial Geography)
5. जलवायु विज्ञान (Climatology)	5. परिवहन भूगोल (Transport Geography)
6. समुद्र विज्ञान (Oceanography)	6. जनसंख्या भूगोल (Population Geography)
7. जल विज्ञान (Hydrology)	7. अधिवास भूगोल (Settlement Geography) (i) नगरीय भूगोल (Urban Geography) (ii) ग्रामीण भूगोल (Rural Geography)
8. हिमनद विज्ञान (Glaciology)	8. राजनीतिक भूगोल (Political Geography)
9. मृदा विज्ञान (Soil Geography)	9. सैन्य भूगोल (Military Geography)
10. जैव विज्ञान (Bio - Geography)	10. ऐतिहासिक भूगोल (Historical Geography)
11. चिकित्सा भूगोल (MedicalGeography)	11. सामाजिक भूगोल (Social Geography)
12. पारिस्थितिकी /पर्यावरण भूगोल (Ecology / Environment Geography)	12. सांस्कृतिक भूगोल (Cultural Geography)
13. मानचित्र कला (Cartography)	13. प्रादेशिक नियोजन (Regional Planning)
	14. दूरस्थ संवेदन व जी.आई.एस.(Remote Sensing and G.I.S.)

- **अभ्यासार्थ प्रश्न**

1. **भूगोल की जिस शाखा में तापमान, वायुदाब, पवनों की दिशा एवम् गति,आर्द्रता, वायुराशियाँ, विक्षोभ आदि के विषय में अध्ययन किया जाता है , वह है-**
   (अ) खगोलीय भूगोल
   (ब) मृदा भूगोल
   (स) समुद्र विज्ञान
   (द) जलवायु विज्ञान **(द)**

2. **भूगोल की दो प्रमुख शाखाएँ हैं**
   (अ) कृषि भूगोल एवं आर्थिक भूगोल
   (ब) भौतिक भूगोल एवं मानव भूगोल
   (स) पादप भूगोल एवं जीव भूगोल
   (द) मौसम भूगोल एवं जलवायु भूगोल **(ब)**

3. **किस भूगोलवेत्ता ने भूगोल (Geography) शब्दावली का सर्वप्रथम उपयोग किया ?**
   (अ) इरेटॉस्थेनीज
   (ब) हेरेडोइस
   (स) स्ट्रैबो
   (द) टॉलमी **(अ)**

4. **पृथ्वी की आयु मानी जाती है**
   (अ) 4.8 अरब वर्ष
   (ब) 5.0 अरब वर्ष
   (स) 4.6 अरब वर्ष
   (द) 3.9 अरब वर्ष **(स)**

अध्याय – 2

भौगोलिक स्थिति एवं विस्तार

- आर्यों की भरत नाम की शाखा अथवा महामानव भारत के नाम पर हमारे देश का नामकरण भारत हुआ ।
- प्राचीन काल में आर्यों की भूमि के कारण यह आर्यावर्त के नाम से जाना जाता था ।
- ईरानियों ने सिन्धु नदी के तटीय निवासियों को हिन्दू एवं इस भू - भाग को हिन्दूस्तान का नाम दिया ।
- रोम निवासियों ने सिन्धु नदी को इण्डस तथा यूनानियों ने इण्डोस व इस देश को इण्डिया कहा । यही देश विश्व में आज भारत के नाम से विख्यात है ।
- भारत एशिया महाद्वीप का एक देश है, जो एशिया के दक्षिणी भाग में स्थित है तथा तीन ओर समुद्रों से घिरा हुआ है। पूरा भारत उत्तरी गोलार्द्ध में पड़ता है।
- भारत का अक्षांशीय विस्तार 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6' उत्तरी अक्षांश तक है।
- भारत का देशान्तर विस्तार 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पूर्वी देशान्तर तक है।
- भारत का क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी. (1269219.34 वर्ग मील) है।

कर्क रेखा अर्थात् 23½ उत्तरी अक्षांश हमारे देश के लगभग मध्य से गुजरती है यह रेखा भारत को दो भागों में विभक्त करती है (1) उत्तरी भारत , जो शीतोष्ण कटिबन्ध में फैला है तथा (2) दक्षिणी भारत , जिसका विस्तार उष्ण कटिबन्ध है।

- भारत सम्पूर्ण विश्व का लगभग 1/46 वाँ भाग है।
- क्षेत्रफल के अनुसार रूस , कनाडा , चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राज़ील व ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत का विश्व में 7वाँ स्थान है ।
- यह रूस के क्षेत्रफल का लगभग 1/5, संयुक्त राज्य अमेरिका के क्षेत्रफल का 1/3 तथा ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्रफल का 2/5 है ।

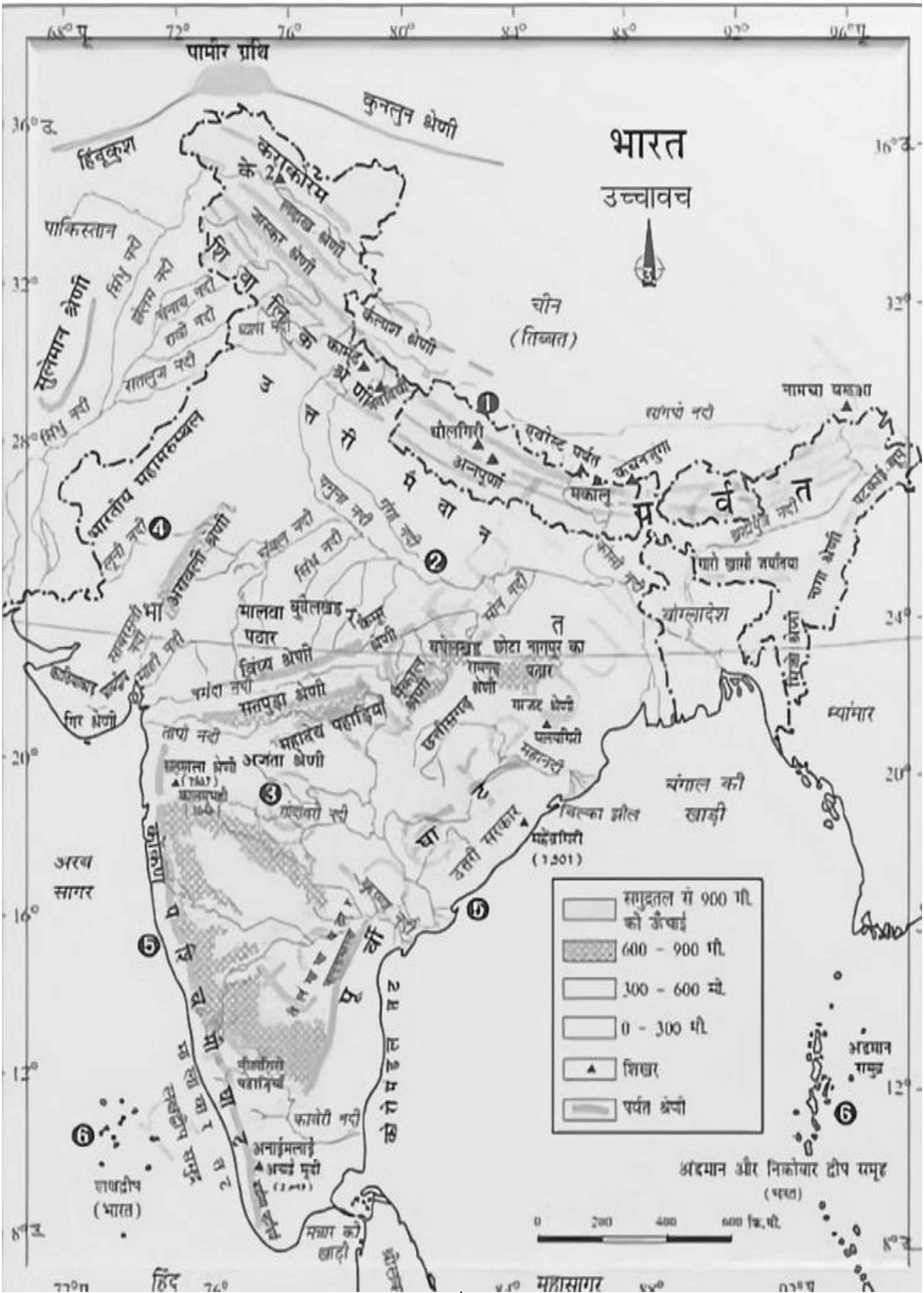
भारत
उच्चावच
पामीर ग्रंथि
कुनलुन श्रेणी
हिंदूकुश
पाकिस्तान
सुलेमान श्रेणी
कराकोरम
लद्दाख श्रेणी
जास्कर श्रेणी
कैलाश श्रेणी
चीन
(तिब्बत)
धौलगिरी
अन्नपूर्णा
एवरेस्ट पर्वत
मकालू
कंचनजुंगा
सांग्पो नदी
नामचा बरवा
ब्रह्मपुत्र नदी
गारो खासी जयंतिया
बांग्लादेश
म्यांमार
अरावली श्रेणी
मालवा पठार
बुंदेलखंड
कैमूर श्रेणी
विंध्य श्रेणी
नर्मदा नदी
सतपुड़ा श्रेणी
छोटा नागपुर का पठार
ताप्ती नदी
महादेव पहाड़ियाँ
अजंता श्रेणी
गोदावरी नदी
चिल्का झील
महेंद्रगिरि
(1,501)
बंगाल की खाड़ी
अरब सागर
नीलगिरि पहाड़ियाँ
कावेरी नदी
अनाईमलाई
अनाई मुडी
मन्नार की खाड़ी
लक्षद्वीप
(भारत)
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
(भारत)
अंडमान सागर
हिंद महासागर
समुद्रतल से 900 मी. की ऊँचाई
600 - 900 मी.
300 - 600 मी.
0 - 300 मी.
शिखर
पर्वत श्रेणी
0 200 400 600 कि.मी.

कर्क रेखा भारत के आठ राज्यों क्रमशः गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, प. बंगाल, त्रिपुरा व मिजोरम है।

NOTE- राजस्थान की राजधानी जयपुर, त्रिपुरा की राजधानी अगरतला व मिजोरम की राजधानी आइजोल कर्क रेखा के उत्तर में तथा शेष राज्यों की राजधानियाँ दक्षिण में स्थित है।

NOTE – मणिपुर कर्क रेखा के सर्वाधिक उत्तर में स्थित है।

प्रश्नः- निम्न में से कौन सा भारत का राज्य कर्क रेखा के उत्तर में स्थित है ?

(1) त्रिपुरा (2) मणिपुर

(3) मिजोरम (4) झारखण्ड

उत्तर :- (2)

NOTE- कर्क रेखा राजस्थान से न्यूनतम व मध्यप्रदेश से सर्वाधिक गुजरती है।

- भारत का आकार जापान से नौ गुना तथा इंग्लैण्ड से 14 गुना बड़ा है ।
- जनसंख्या की दृष्टि से संसार में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है।
- विश्व का 2.4% भूमि भारत के पास है जबकि विश्व की लगभग 17.5% (वर्ष 2011 के अनुसार) जनसंख्या भारत में रहती है।
- भारत के उत्तर में नेपाल, भूटान व चीन, दक्षिण में श्रीलंका एवं हिन्द महासागर, पूर्व में बांग्लादेश, म्यांमार एवं बंगाल की खाड़ी तथा पश्चिम में पाकिस्तान एवं अरब सागर है।
- भारत को श्रीलंका से अलग करने वाला समुद्री क्षेत्र मन्नार की खाड़ी (Gulf of Mannar) तथा पाक जलडमरूमध्य (Palk Strait) है।
- प्रायद्वीप भारत (मुख्य भूमि) का दक्षिणतम बिन्दु - कन्याकुमारी के पास केप कोमोरिन (तमिलनाडु) है।
- भारत का सुदूर दक्षिणतम बिन्दु - इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार में है)।
- भारत का उत्तरी अन्तिम बिन्दु- इंदिरा कॉल (लद्दाख) है ।
- भारत का मानक समय (Indian Standard Time) इलाहाबाद के पास नैनी से लिया गया है। जिसका देशान्तर 82°30 पूर्वी देशान्तर है। (वर्तमान में मिर्जापुर) यह ग्रीनविच माध्य समय (GMT) से 5 घण्टे 30 मिनट आगे है। यह मानक समय रेखा भारत के 5 राज्यों क्रमशः उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा व आंध्रप्रदेश है।
- कर्क रेखा व मानक रेखा छत्तीसगढ़ राज्य में एक दुसरे को काटती है।
- भारत की लम्बाई उत्तर से दक्षिण तक 3214 किमी. तथा पूर्व से पश्चिमी तक 2933 किमी. है।
- भारत की समुद्री सीमा मुख्य भूमि, लक्षद्वीप और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की तटरेखा की कुल लम्बाई 7,516.6 कि.मी है जबकि स्थलीय सीमा की लम्बाई 15,200 किमी. है। भारत की मुख्य भूमि की तटरेखा 6,100 किमी. है।

- भारत की तटीय / समुद्री सीमा = तट रेखा की लम्बाई 7516.6 मुख्य भूमि की तटरेखा 6,100 किमी. है।
- कुल राज्य = 9 [i. पश्चिमी तट के राज्य- गुजरात (राज्यों में सबसे लंबी तट रेखा), महाराष्ट्र, गोवा (राज्यों में सबसे छोटी तट रेखा), कर्नाटक व केरल ii. पूर्वी तट के राज्य प. बंगाल, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु]
- कुल केंद्र शासित प्रदेश= अंडमान निकोबार (सर्वाधिक), लक्षद्वीप, दमन व दीव तथा (न्यूनतम) पुद्दुचेरी

- भारत के 16 राज्य व 2 केंद्र शासित प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनाते है ।

देश की चतुर्दिक सीमा बिन्दु

- दक्षिणतम बिन्दु - इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार द्वीप)
- उत्तरी बिन्दु- इन्दिरा कॉल (लद्दाख)
- पश्चिमी बिन्दु- गोहर माता (गुजरात)
- पूर्वी बिन्दु- किबिथु (अरुणाचल प्रदेश)
- मुख्य भूमि की दक्षिणी सीमा- कन्याकुमारी के पास केप कोमोरिन (तमिलनाडु)

स्थलीय सीमाओं पर स्थित भारतीय राज्य	
पाकिस्तान (4)	गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख
अफगानिस्तान (1)	लद्दाख
चीन (5)	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश
नेपाल (5)	उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम
भूटान (4)	सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश
बांग्लादेश (5)	पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम
म्यांमार (4)	अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम

पड़ोसी देशों के मध्य सीमा विस्तार	
भारत - बांग्लादेश सीमा	4096.7 किमी.
भारत-चीन	3488 किमी.
भारत-पाक सीमा	3323 किमी.
भारत - नेपाल सीमा	1751 किमी.

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

लाल बहादुर शास्त्री और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अयूब खान के बीच हुआ था।

✓ **शिमला समझौता 1972**

वर्ष 1971 में हुए भारत - पाकिस्तान युद्ध के बाद शिमला समझौता हुआ था। ये समझौता 2 जुलाई, 1972 को हुआ था। दरअसल 1971 के भारत - पाकिस्तान युद्ध के दौरान क़रीब 90 हज़ार सैनिकों को भारत ने बंदी बनाया था और पाकिस्तान के लम्बे भूभाग पर भारत ने कब्ज़ा भी कर लिया था। इस सब के परिणामस्वरूप तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के राष्ट्रपति जुल्फ़िकार अली भुट्टो के बीच शिमला समझौता हुआ था।

4. भारत – नेपाल

✓ भारत के 5 राज्य उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश (सर्वाधिक), बिहार, सिक्किम (न्यूनतम) व प. बंगाल नेपाल के साथ सीमा बनाते है।

✓ **कालापानी व सुस्ता क्षेत्र विवाद**

नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, संगोली संधि (वर्ष 1816) के तहत काली (महाकाली) नदी के पूर्व के सभी क्षेत्र, जिनमें लिम्पियाधुरा (Limpiyadhura), कालापानी (Kalapani) और लिपुलेख (Lipulekh) शामिल हैं, नेपाल का अभिन्न अंग हैं। भारत के अनुसार, यह क्षेत्र उत्तराखंड के पिथौरागढ़ ज़िले का हिस्सा है जबकि नेपाल इस क्षेत्र को धारचूला ज़िले का हिस्सा मानता है।

जब भारत-नेपाल सीमा का 98% सीमांकन किया गया था, तो दो क्षेत्रों- सुस्ता और कालापानी में यह कार्य अपूर्ण रहा। वर्ष 2019 में नेपाल ने एक नया राजनीतिक मानचित्र जारी करते हुए उत्तराखंड के कालापानी, लिंपियाधुरा एवं लिपुलेख और बिहार के पश्चिमी चंपारण ज़िले के सुस्ता क्षेत्र पर अपना दावा जताया।

5. भारत – म्यांमार

भारत के 4 राज्य अरुणाचल प्रदेश (सर्वाधिक), नागालैण्ड, मणिपुर व मिजोरम के साथ सीमा बनाते है।

रोहिंग्या - रोहिंग्या म्यांमार के उत्तर में स्थित रखाइन प्रांत में निवास करने वाली एक जाति है जिसे बौद्धों द्वारा समर्थित सुरक्षा बल रोहिंग्याओं को प्रताड़ित करते हैं। इन अभियानों में अब तक कम-से-कम 1000 लोग मारे जा चुके हैं और तीन लाख से अधिक लोग अपने घरों से बेदखल होकर देश छोड़कर भागने के लिये मजबूर हो गए।

6. भारत – भूटान

भारत के 4 राज्य सिक्किम (न्यूनतम), प. बंगाल, असम (सर्वाधिक) व अरुणाचल प्रदेश भूटान के साथ सीमा बनाते हैं।

- क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है। जो भारत के कुल क्षेत्रफल का 10.41% है। जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से गोवा भारत का सबसे छोटा राज्य है।

शीर्ष पाँच क्षेत्रफल वाले राज्य	
राज्य	**क्षेत्रफल वर्ग किमी.**
राजस्थान	342239
मध्यप्रदेश	308245
महाराष्ट्र	307713
उत्तर प्रदेश	240928
गुजरात	196024

शीर्ष पाँच भौगोलिक क्षेत्र वाले जिले भारत में	
जिला	**क्षेत्रफल वर्ग किमी.**
कच्छ	45652
लेह	45110
जैसलमेर	38428
बाड़मेर	28387
बीकानेर	27284

- जनसंख्या की दृष्टि से सिक्किम भारत का सबसे छोटा राज्य है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह सबसे बड़ा केन्द्र-शासित प्रदेश है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से लक्षद्वीप सबसे छोटा केन्द्र -शासित प्रदेश है।
- जनसंख्या की दृष्टि से दिल्ली सबसे बड़ा केन्द्र शासित प्रदेश है।
- जनसंख्या की दृष्टि से लक्षद्वीप सबसे छोटा केन्द्र शासित प्रदेश है।
- उत्तर प्रदेश की सीमा सबसे अधिक राज्यों (8) को छूती है- उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड एवं बिहार।
- भारत में सर्वाधिक नगरों वाला राज्य उत्तर प्रदेश है जबकि मेघालय में सबसे कम नगर हैं।
- भारत में सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाला राज्य महाराष्ट्र है जबकि सबसे कम नगरीय जनसंख्या सिक्किम में है।

प्रमुख चैनल / जलडमरूमध्य	
विभाजित स्थल खण्ड	**चैनल / खाड़ी / स्ट्रेट**
इन्दिरा प्वाइंट-इण्डोनेशिया	ग्रेट चैनल
लघु अंडमान-निकोबार	10° चैनल
मिनीकॉय-लक्षद्वीप	9° चैनल
मालदीव-मिनीकाय	8° चैनल
भारत-श्रीलंका	पाक जलडमरूमध्य

- **अभ्यासार्थ प्रश्न**

1. **भारत का अक्षांशीय व देशांतरिय विस्तार क्रमशः है-**
(A) 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6' उत्तरी आक्षांश तथा 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पश्चिमी देशान्तर तक
(B) 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6' उत्तरी आक्षांश तथा 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पूर्वी देशान्तर तक
(C) 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6' दक्षिणी आक्षांश तथा 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पूर्वी देशान्तर तक
(D) 68°7' उत्तरी अक्षांश से 97°25' उत्तरी आक्षांश तथा 8°4' पूर्वी देशान्तर से 37°6' पूर्वी देशान्तर तक
उत्तर - (B)

2. **कर्क रेखा भारत के कितने राज्यों से होकर गुजरती है?**
(A) 5 (B) 6
(C) 7 (D) 8
उत्तर - (D)

3. **भारत के किस राज्य की सीमा नेपाल के साथ सीमा नहीं बनाती है?**
(A) पश्चिम बंगाल (B) सिक्किम
(C) बिहार (D) हिमाचल प्रदेश
उत्तर - (D)

4. **प्राचीन भारतीय भौगोलिक मान्यता के अनुसार भारतवर्ष किस द्वीप का अंग था ?**
(A) पुष्कर द्वीप (B) जम्बू द्वीप
(C) कांच द्वीप (D) कुश द्वीप
उत्तर - (B)

5. **भारतीय भूभाग का कुल क्षेत्रफल लगभग है-**
(A) 32,87,263 वर्ग किमी.
(B) 1269219.34 वर्ग मील
(C) 32,87,263 वर्ग एकड़
(D) A व B दोनों
उत्तर - (D)

6. **भारत और श्रीलंका को अलग करने वाली जलसंधि है-**
(A) कुक जलसंधि (B) मलक्का जलसंधि
(C) पाक जलसंधि (D) सुंडा जलसंधि
उत्तर - (C)

7. **किस भारतीय राज्य की सीमा सर्वाधिक राज्यों की सीमा को स्पर्श करती है?**
(A) मध्य प्रदेश (B) असम
(C) उत्तर प्रदेश (D) आन्ध्र प्रदेश
उत्तर - (C)

8. **निम्नलिखित प्रमुख भारतीय नगरों में से कौन-सा एक सबसे अधिक पूर्व की ओर अवस्थित है?**
(A) हैदराबाद (B) भोपाल
(C) लखनऊ (D) बैंगलुरु
उत्तर - (C)

9. **भारत के किस प्रदेश की सीमाएं तीन देशों क्रमशः नेपाल, भूटान एवं चीन से मिलती हैं?**
(A) अरुणाचल प्रदेश (B) मेघालय
(C) पश्चिम बंगाल (D) सिक्किम
उत्तर - (D)

10. **भारत के कितने राज्यों से समुद्र तटरेखा संलग्न है?**
(A) 7 (B) 8
(C) 9 (D) 10
उत्तर - (C)

11. **निम्न नगरों में से कौन-सा कर्क रेखा के निकटतम है ?**
(A) कोलकाता (B) दिल्ली
(C) जोधपुर (D) नागपुर
उत्तर - (A)

12. **निम्नलिखित में से किस द्वीप युग्म को 10 डिग्री चैनल अलग करता है ?**
(A) दक्षिणी अंडमान तथा लिटिल अंडमान
(B) लक्षद्वीप एवं मिनिकाय
(C) छोटा अंडमान तथा कार निकोबार
(D) पंबन तथा मन्नार
उत्तर - (C)

13. **भारतीय मानक समय (IST) निम्नलिखित स्थानों में से किसके समीप से लिया जाता है -**
(A) लखनऊ (B) इलाहाबाद (नैनी)
(C) मेरठ (D) मुजफ्फरनगर
उत्तर - (B)

14. **यदि अरुणाचल प्रदेश में सूर्योदय 5.00 बजे प्रातः (IST) पर होता है, तो गुजरात में काण्डला में सूर्योदय किस समय (IST) पर होगा ?**
(A) लगभग 6.00 प्रातः
(B) लगभग 5.30 प्रातः
(C) लगभग 7.00 प्रातः
(D) लगभग 7.30 प्रातः
उत्तर - (C)

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

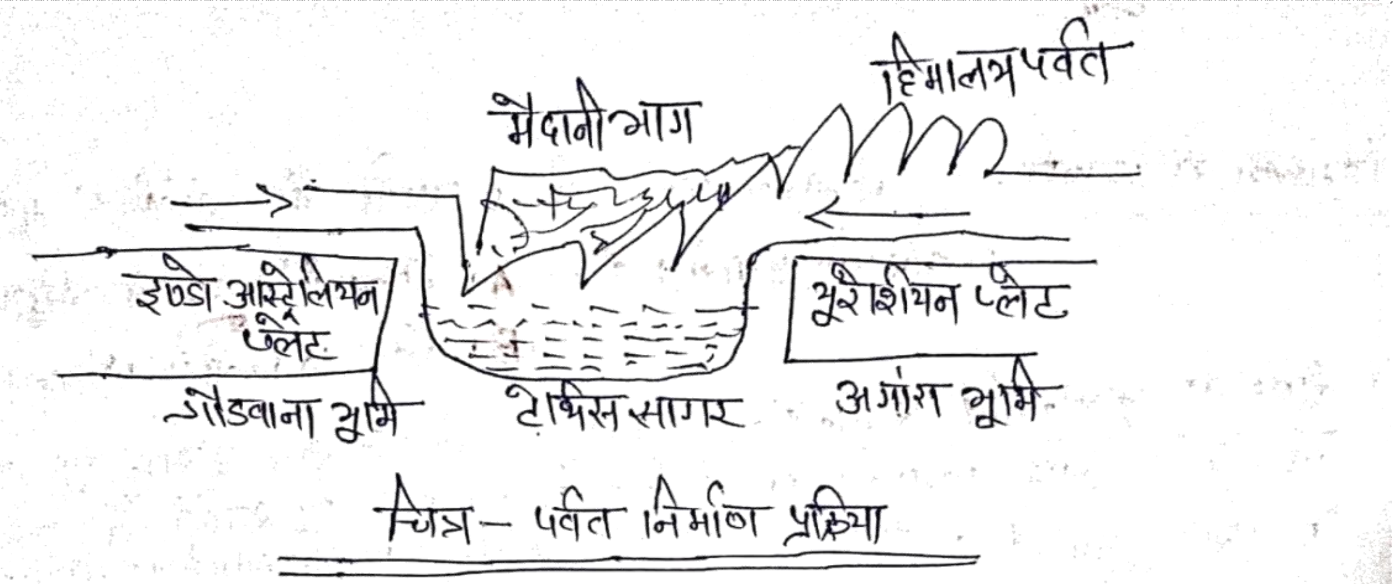

चित्र – पर्वत निर्माण प्रक्रिया

1. **हिमालय का विस्तार व स्थिति**

- हमारे देश की उत्तरी सीमा पर हिमालय पर्वत पश्चिम से पूर्व की ओर एक वृहत् चाप के रूप में 5 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है ।
- लम्बाई = 2500 किलोमीटर
- चौड़ाई= 400 किलोमीटर (जम्मू कश्मीर व लद्दाख में)
  = 160 किलोमीटर (मध्यवर्ती भाग में)
  = 20-25 किलोमीटर (पूर्वी हिमालय में
- ऊँचाई= उत्तरी हिमालय औसतन 5000-6000 मीटर
  = मध्य हिमालय औसतन 1800- 3000 मीटर
  = शिवालिक हिमालय औसतन 1200- 1800 मीटर
- इन नवीन मोड़दार पर्वत श्रेणियों की चौड़ाई पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ती जाती है, लेकिन ऊँचाई कम होती जाती है ।
- यह पर्वत श्रृंखला कई श्रेणियों से बनी है । इन श्रेणियों के मध्य में पठार तथा घाटियाँ मिलती हैं।
- इन श्रेणियों का ढाल भारत की ओर तीव्र तथा तिब्बत की ओर धीमा है ।
- हिमालय का विस्तार पश्चिम में नंगा पर्वत (POK क्षेत्र) से लेकर पूर्व में नामचा बरवा पर्वत (अरुणाचल प्रदेश) तक है ।
- हिमालय का विस्तार पश्चिम में सिंधु नदी से लेकर पूर्व मे ब्रह्मपुत्र नदी तक है । हिमालय का देशांतरिय विस्तार 74^0 - 96^0 पूर्वी देशांतर तक है।
- हिमालय का विस्तार मुख्यतः भारत के 8 राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों (जम्मू कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, प. बंगाल, असम व अरुणाचल प्रदेश) तथा 4 देशों भारत, नेपाल, भूटान व चीन में है ।

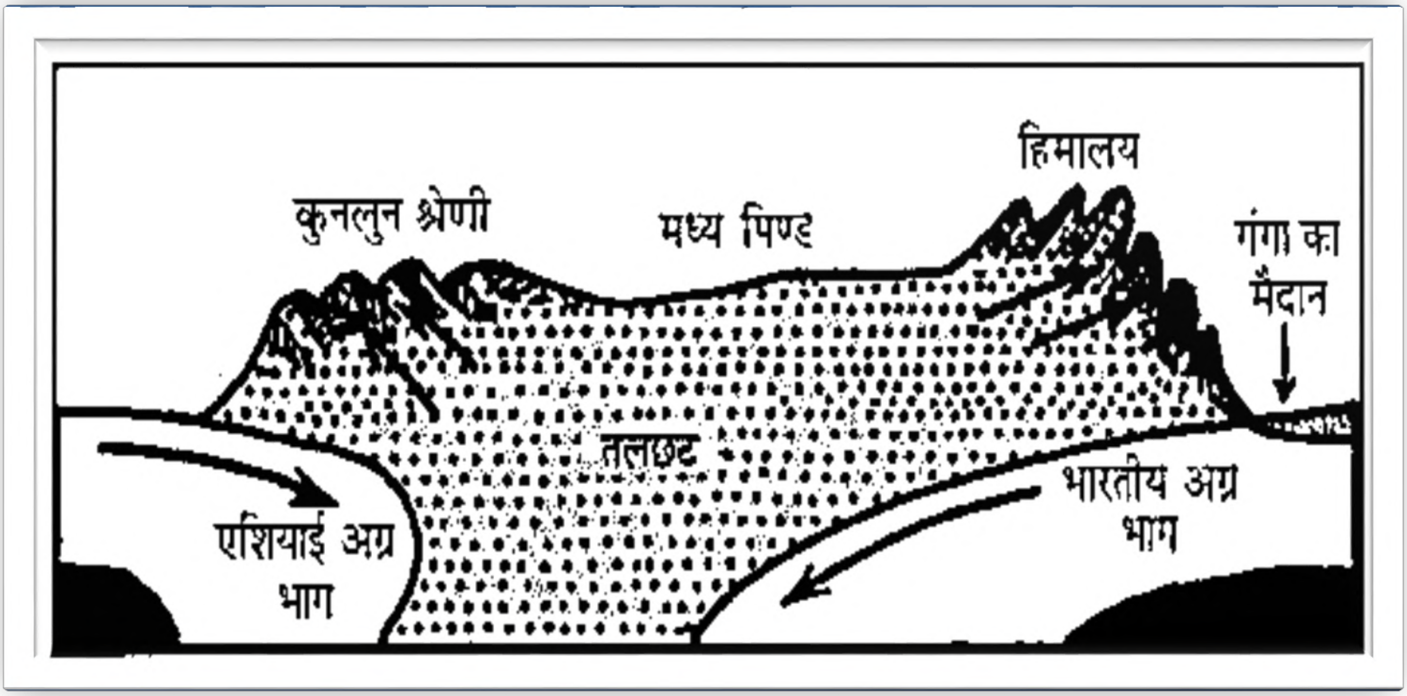

- सियाचिन (72 km)
- बाल्टोरों - (58km)
- बीयाफो – 63 km
- हिस्पर (61 Km)

(B) <u>लद्दाख श्रेणी</u> –

- विश्व की सबसे तीव्र ढलान वाली चोटी राकापोशी (7788मी.) लद्दाख श्रेणी पर ही स्थित है ।
- लद्दाख श्रेणी दक्षिण पूर्व की ओर कैलाश श्रेणी के रूप में स्थित है।
- यह श्रेणी सिन्धु नदी व इसकी सहायक नदी के बीच जल विभाजक का कार्य करती है।
- इस श्रेणी में भारत का सबसे ऊँचा पठार '' लद्दाख का पठार'' स्थित है इसी पठार पर भू तापीय ऊर्जा के लिए प्रसिद्ध पूंगा घाटी स्थित है ।
- यह भारत का न्यूनतम् वर्षा वाला क्षेत्र द्रास स्थित है ।
- इसका सर्वोच्च शिखर माउंट कैलाश है ।
- इस क्षेत्र में अलवणजल की झीलें जैसे- डल और वुलर तथा लवणजल झीलें जैसे- पैंगोंग सो (गलवान घाटी के नजदीक यह विश्व की सबसे ऊँची खारे पानी की झील है) और सोमुरीरी भी पाई जाती हैं ।

(C) <u>जास्कर श्रेणी</u> -

- यह लद्दाख हिमालय के समांतर दक्षिणी दिशा में स्थित हैं।
- नंगा पर्वत इस पर्वत श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी है।
- लद्दाख व जास्कर श्रेणीयों के बीच से ही सिन्धु नदी बहती है।
- इस श्रेणी में श्योक नदी प्रवाहित होती है।

<u>उत्तरी हिमालय वृहत् या हिमाद्रि या महान हिमालय</u> –

- इसका विस्तार नंगा पर्वत से नामचा बरवा पर्वत तक धनुष की आकृति में फैला हुआ है जिसकी कुल लम्बाई 2500 km तक है तथा औसत ऊँचाई 5000- 6000 मी. तक है।
- उत्तरी हिमालय को भौतिक विभाजन के दृष्टिकोण से दो भागों में बाँटा जा सकता है-
- विश्व की सर्वाधिक ऊँची चोटियाँ इसी श्रेणी पर पाई जाती है जिसमें प्रमुख है-
  - माउंट एवरेस्ट (8848 मी.) विश्व की सबसे ऊँची चोटी
  - कंचनजंगा (8598 मी.)
  - मकालू (8481 मी.)
  - धौलागिरी (8172 मी.)
  - अन्नपूर्णा (8076 मी.)
  - नंदा देवी (7817 मी.)
- एवरेस्ट को पहले तिब्बत में 'चोमोलुगंमा'के नाम से जाना जाता था जिसका अर्थ 'पर्वतो की रानी'।
- एवरेस्ट, कंचनजंगा, मकालू, धौलागिरि, नंगा पर्वत, नामचा बरवा इसके महत्त्वपूर्ण शिखर है ।
- भारत में हिमालय की सर्वोच्च ऊँची चोटी कंचनजंगा यही स्थित हैं ।
- यह विश्व की तीसरी सबसे ऊँची चोटी है ।
- कश्मीर हिमालय **करेवा (karewa)** के लिए भी प्रसिद्ध है, जहाँ जाफरान (केसर की किस्म)की खेती की जाती है।
- वृहत हिमालय में जोजीला , पीर पंजाल,बनिहाल , जास्कर श्रेणी में फोटुला और लद्दाख श्रेणी में खारदुन्गला जैसे महत्त्वपूर्ण दर्रे स्थित हैं ।

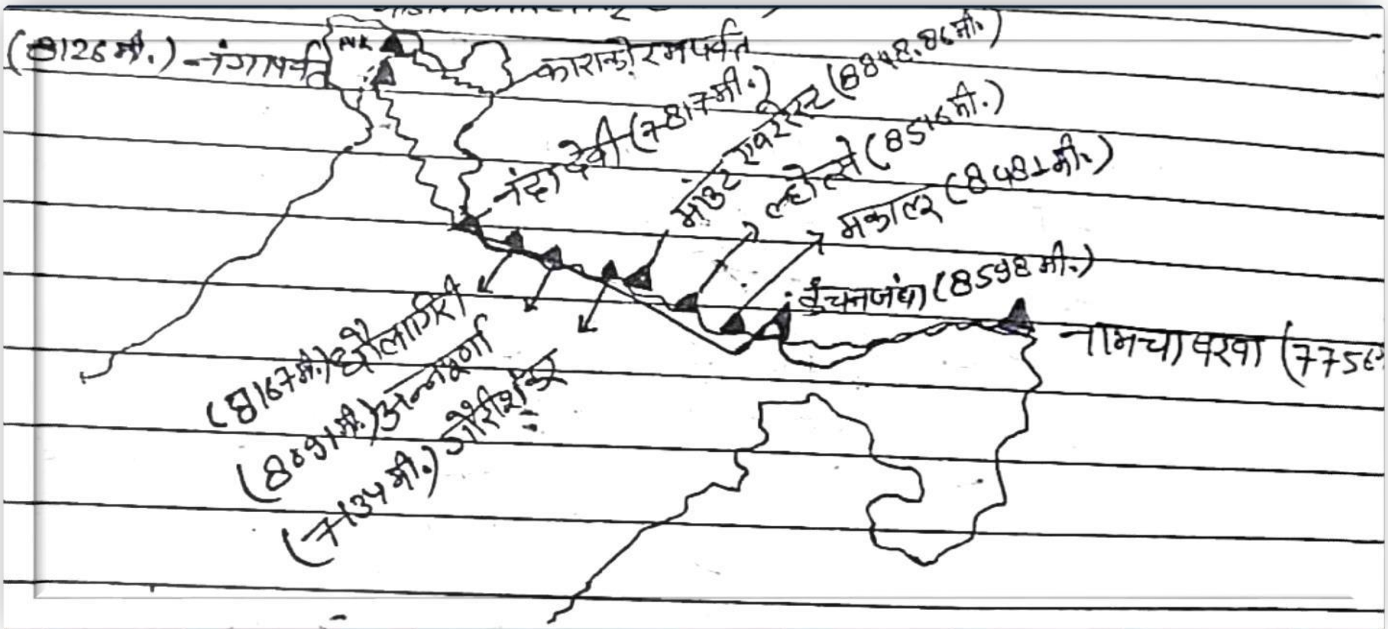

सिंधु तथा इसकी सहायक नदियाँ , झेलम और चेनाब इस क्षेत्र को प्रवाहित करती हैं । यह हिमालय विलक्षण सौंदर्य और खूबसूरत दृश्य स्थलों के लिए जाना जाता है । हिमालय की यही रोमांचक दृश्यावली पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है जिसमें प्रमुख तीर्थस्थान- जैसे वैष्णो देवी, अमरनाथ गुफ़ा और चरार - ए - शरीफ इत्यादि है।

पश्चिमी हिमालय तथा पूर्वी हिमालय में अन्तर

पश्चिमी हिमालय	पूर्वी हिमालय
1. पश्चिमी हिमालय का विस्तार अफगानिस्तान के बदख्शां से उत्तर भारत के जम्मू-कश्मीर लद्दाख और हिमाचल प्रदेश तक विस्तृत है।	1. जबकि पूर्वी हिमालय का विस्तार पूर्वी नेपाल से पूर्वोत्तर भारत, भूटान, तिब्बत क्षेत्र व उत्तरी म्यांमार तक विस्तृत है।
2. पश्चिमी हिमालय की ऊँचाई में वृद्धि धीरे-धीरे होती है। जैसे- धौलाधर, पीरपंजाल, जास्कर आदि।	2. जबकि पूर्वी हिमालयी क्षेत्र में पर्वत शिखरों की ऊँचाई में तीव्र वृद्धि होती है। जैसे – कंजनजंगा, एवरेस्ट आदि
3. इस क्षेत्र में औसत वार्षिक वर्षा 100 सेमी. से कम होती है।	3. जबकि इस क्षेत्र में औसत वार्षिक वर्षा 200 सेमी. से अधिक होती है।
4. पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के प्रमुख वनस्पति में शंकुधारी वन और अल्पाइन वनस्पति शामिल है।	4. जबकि इस क्षेत्र में सदाबहार वनस्पति पायी जाती है जिसके कारण यह क्षेत्र जैवविविधता के आकर्षक केन्द्रों में से एक है।
5. इस क्षेत्र के पर्वत अधिक ऊँचे होने के कारण ये परिवहन एवं अन्य आर्थिक विकास कार्यों की दृष्टि से कम उपयोगी हैं।	5. जबकि ये पर्वत सघन वनों से ढके हैं अतः आर्थिक वृद्धि एवं परिवहन की दृष्टि से अपेक्षाकृत अधिक उपयोगी हैं।

- **मैदान**

उत्तरी विशाल मैदान का वर्गीकरण

धरातलीय स्वरूप के आधार पर
1. भाबर
2. तराई
3. जलोढ़ मैदान
   - I. खादर
   - II. बांगर

भौतिक स्वरूप के आधार पर / प्रादेशिक विभाजन
1. पंजाब का मैदान
2. राजस्थान का मैदान
3. गंगा का मैदान
4. ब्रह्मपुत्र का मैदान

I. उत्तर भारत का विशाल मैदान

- उत्तरी मैदान का निर्माण इयोसीन काल से प्रारंभ हुआ। विभिन्न भौगोलिक हलचलों तथा नदियों द्वारा लाए गए अवसाद के कारण टेथिस सागर भरने लगा जिसके भरने से भारत के उत्तरी मैदान का निर्माण हुआ।
- यह मैदान हिमालय तथा प्रायद्वीपीय पठार के मध्य स्थित है जो लगभग 2400 km लम्बा 400 से 900 km चौड़ा है।
- इस मैदान में स्थित अवसादों की गहराई 2000 m तक है।
- इस मैदान का ढाल 25 cm से भी कम है वहीं इसकी समुद्र तल से ऊँचाई 250 - 300 m. है।

उत्तरी मैदान के उपविभाग

धरातलीय स्वरूप के आधार पर -

धरातलीय स्वरूप के आधार पर —

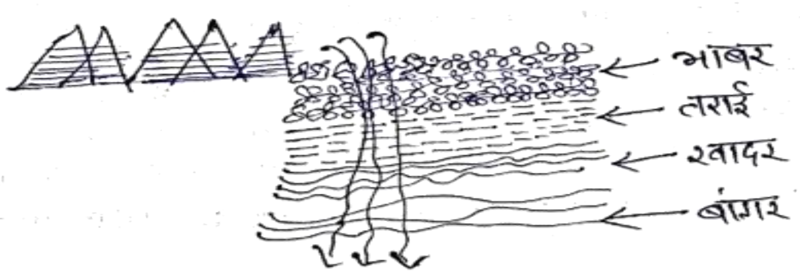

द्वीपीय क्षेत्र

बंगाल की खाड़ी के द्वीप

1. अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह
2. न्यू मुर द्वीप
3. सागर द्वीप
4. व्हीलर द्वीप (कलाम द्वीप)
5. श्री हरिकोटा द्वीप
6. पंबन द्वीप
7. कच्छातिवु द्वीप

अरब सागर के द्वीप

1. पिरोटन द्वीप
2. दीव
3. बसीन
4. अलियाबेट
5. खादियाबेट
6. मुंबई हाई
7. हेनरे
8. केनरे
9. बुचर
10. भटकल
11. लक्षद्वीप

श्रीहरिकोटा

- यह आंध्रप्रदेश के तट पर स्थित है ।
- इसी द्वीप में भारत का एकमात्र उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र 'सतीश धवन अंतिरक्ष' केंद्र स्थित हैं ।

पंबन द्वीप

- यह मन्नार की कड़ी में अवस्थित है
- यह 'आदम ब्रिज अथवा रामसेतु 'का ही भाग है जो भारत व श्रीलंका के बीच स्थित है
- यहीं रामेश्वरम् स्थित है ।

न्यू मूर द्वीप

- यह बंगाल की खाड़ी में भारत व बांग्लादेश की सीमा पर अवस्थित है जिसके कारण दोनों देशों में अधिकार को लेकर विवाद चलने के कारण बाँट लिया गया ।
- भारत के हिस्से में आए भाग का अधिकांश भाग जलमग्न रहता है ।

अब्दुल कलाम द्वीप

- यह ओड़िशा के तट पर स्थित हैं ।
- इसका प्रयोग भारत अपने प्रक्षेपास्त्र कार्यक्रम के परिक्षण के लिए करता हैं ।

अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह

- यह द्वीप समूह बंगाल की खाड़ी में स्थित है।
- अंडमान समूह में मध्य अण्डमान (Middle Andaman) सबसे बड़ा है।
- ये द्वीप समूह देश के उत्तर-पूर्व में स्थित पर्वत श्रृंखला का विस्तार है।
-
- उत्तर अण्डमान में स्थित कैंडल पीक (SadalesPeak) सबसे ऊँची (लगभग 737 मीटर) चोटी है।
- निकोबार समूह में ग्रेट निकोबार सबसे बड़ा है।
- ग्रेट निकोबार सबसे दक्षिण में स्थित है और इण्डोनेशिया के सुमात्रा द्वीप से केवल 147 किमी. दूर है
- बैरन (सक्रीय ज्वालामुखी) एवं नारकोंडम (मृत ज्वालामुखी) ज्वालामुखीय द्वीप हैं जो अंडमान निकोबार द्वीप समूह में स्थित है।
- दिसंबर, 2018 में भारत सरकार ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह के कुछ द्वीपों के नए नाम दिए जो इस प्रकार है-

पुराना नाम	नया नाम
रोश द्वीप	बोस द्वीप
नील द्वीप	शहीद द्वीप
हेवलोक द्वीप	स्वराज द्वीप

- अंडमान निकोबार द्वीप समूह की प्रमुख जनजातियां महा अंडमानी. ओंगे, जारवा, सेंडेलिज, निकोबारी, शैम्पेन इत्यादि।
- डंकन पैसेज दक्षिण अण्डमान एवं लिटिल अण्डमान के बीच है।
- 10^0 चैनल लिटिल अण्डमान एवं कार निकोबार के बीच है। यह अण्डमान को निकोबार से अलग करता है।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

स्थित पर्वतों की तुलना में यह पठार जून के महीने में अधिक गर्म हो जाता है।

- तिब्बत के पठार से वायु का संवहन होता है। तथा वहाँ निम्न दाब परिस्थितियों का निर्माण होता हैं, तिब्बत के पठार के ऊपर वायु एकत्रित होती है तथा उच्च वायुदाब में दक्षिण की ओर गति करने लगती है । यह वायु दक्षिण हिन्द महासागर पर अवतलित होती है । तथा वहाँ से यह मानसून पवनों के साथ भारत की ओर गति करती है । इससे मानसून की पवनों की तीव्रता बढ़ जाती है, तथा अधिक वर्षा प्राप्त होती है ।
- तिब्बत के पठार से दक्षिणी हिन्द महासागर की ओर चलने वाली वायु की एक शाखा कोरोलियस बल के कारण दायीं ओर बढ़ जाती है । जिससे पूर्व जेट स्ट्रीम का निर्माण होता है । इस पूर्व जेट स्ट्रीम के कारण हिन्द महासागर तथा भारतीय उपमहाद्वीप के बीच पाई जाने वाली दाब प्रवणता बढ़ जाती है, अधिक दाब प्रवणता के कारण मानसून पवनों की गति बढ़ जाती है, अतः तिब्बत का पठार तथा पूर्व जेट स्ट्रीम मानसून की तीव्रता को बढ़ाती है दोनों का भारतीय मानसून पर सकारात्मक प्रभाव रहता है ।

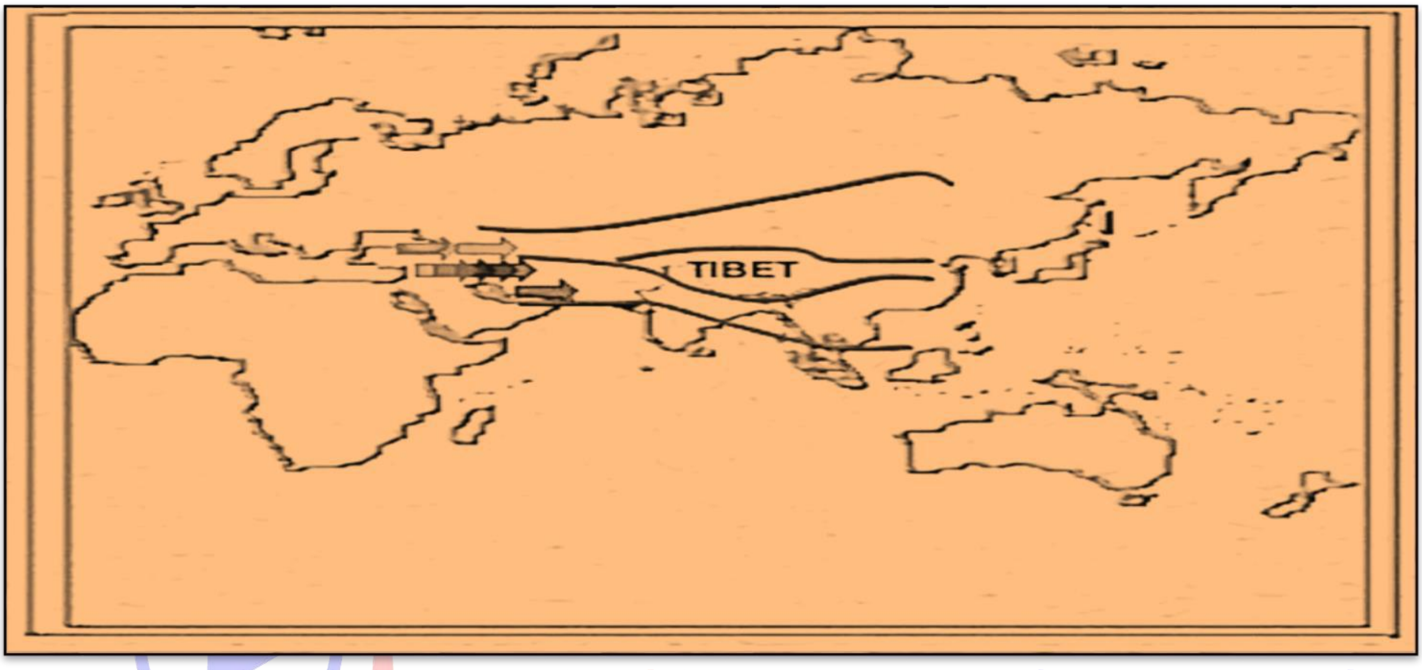

4. जेट स्ट्रीम परिकल्पना (Jet Stream Hypothesis)

- इस परिकल्पना के मूल में कई भौगोलिक तथ्य निहित हैं ।
- इसमें मानसून की उत्पत्ति के लिये केवल धरातलीय जलवायु दशाओं को ही उत्तरदायी नहीं मानकर क्षोभमण्डल (Troposphere) में वायु प्रवाह को भी महत्त्वपूर्ण माना गया है ।
- इसे उच्च स्तरीय वायु संचरण (Upper Air Circulation) कहा जाता है ।
- इस संचरण में वायु की एक तीव्र प्रवाह वाली धारा चलती रहती है , जिसे जेट स्ट्रीम (Jet Stream) के नाम से जाना जाता है ।
- इस प्रकार जेट स्ट्रीम हिमालय व तिब्बत क्षेत्र में उच्चस्तरीय वायु संचरण (Upper Air Circulation) का प्रमुख अंग है ।
- कोटेश्वरम , पन्त , रामामूर्ति , रामास्वामी , फ्लोन, हैमिल्टन आदि वैज्ञानिकों ने क्षोभमण्डल में चलने वाली जेट स्ट्रीम का मानसून से घनिष्ठ सम्बन्ध माना है ।
- हैमिल्टन मानसून का सहसम्बन्ध पूरे क्षोभमण्डल की परिस्थितियों से स्थापित करते हैं , जबकि अन्य विद्वान क्षोभमण्डल के निम्न भाग को ही सम्बन्धित मानते हैं ।
- उच्च स्तरीय वायु संचरण के अंग के रूप में जेट स्ट्रीम पश्चिम से पूर्व की ओर प्रवाहित होती रहती है।
- इसका मार्ग में मौसम के अनुसार थोड़ा परिवर्तित होता रहता है । हमारी ग्रीष्म ऋतु में इसका सम्पूर्ण प्रवाह तिब्बत के पठार के उत्तर में सीमित रहता है।
- हमारी शीत ऋतु में वायुदाब व पवनों की पेटियों के दक्षिण के ओर खिसक जाने के कारण जेट स्ट्रीम का प्रवाह भी दक्षिण की ओर खिसक जाता है।
- किन्तु तिब्बत के पठार की उपस्थिति के कारण यह दो शाखाओं में विभक्त हो जाता है । एक शाखा तिब्बत के पठार के उत्तर में तथा दूसरी शाखा उसके दक्षिण में प्रवाहित होने लगती है ।
- शीत ऋतु में सूर्य दक्षिणायन हो जाता है अर्थात सूर्य मकर रेखा पर सीधा चमकता है । इसके परिणामस्वरूप सभी वायुदाब की पेटियाँ एवं उनके अनुरूप सभी पवनों की पेटियाँ दक्षिण की ओर खिसक जाती हैं ।
- इस ऋतु में जेट स्ट्रीम का प्रवाह भी दक्षिण की ओर खिसकता है ।
- दक्षिण की ओर खिसकने पर तिब्बत के पठार की स्थिति के कारण जेट स्ट्रीम दो शाखाओं में विभक्त हो जाती है इसकी उत्तरी शाखा तिब्बत के पठार के उत्तर में चलती है । यह शाखा अपेक्षाकृत क्षीण होती है । दूसरी शाखा तिब्बत के पठार के दक्षिण में चलती है ।

- *पवनों की पेटियों के दक्षिण की ओर खिसकने के कारण जैट स्ट्रीम का दक्षिणी प्रवाह 20 से 25 ° उत्तरी अक्षांश के मध्य होने लगता है ।*
- *मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार जैट स्ट्रीम की यही दक्षिणी शाखा शरदकालीन मानसून को उत्पन्न करती है ।*
- *भारत में उत्तर - पश्चिमी की ओर से आने वाले चक्रवातीय विक्षोभों का प्रवेश भी जैट स्ट्रीम की इसी धारा की देन है।*
- *ग्रीष्म ऋतु में सूर्य उत्तरायण हो जाता है अर्थात सूर्य कर्क रेखा पर सीधा चमकता है । इसके परिणामस्वरूप सभी वायुदाब की पेटियाँ तथा उनके अनुरूप सभी पवनों की पेटियाँ उत्तर की ओर खिसक जाती । अतः जैट स्ट्रीम का सम्पूर्ण प्रवाह मुख्य धारा के रूप में तिब्बत के पठार के उत्तर में प्रवाहित होने लगता है । इस प्रवाह के उत्तर की ओर खिसकने के फलस्वरूप बने स्थान के कारण हिन्दमहासागरीय क्षेत्र सेपवनें उत्तर की ओर चलने लगती हैं । यही ग्रीष्मकालीन मानसून के बनने की प्रक्रिया है ।*

5. *अल नीनो - ला नीना परिकल्पना (El Nino - La Nina Hypothesis)*

- *कुछ मौसम विज्ञान शास्त्रियों ने भारतीय मानसून की प्रक्रिया में दक्षिणी प्रशान्त महासागर में पेरू तट के निकट महासागरीय तापमान की परिस्थितियों को महत्त्वपूर्ण निर्धारिक कारक माना है ।*
- *इन वैज्ञानिकों के अनुसार क्रिसमस के आस - पास दक्षिणी प्रशान्त महासागर में पेरू के तट के निकट महासागरीय जल के तापमान की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है ।*
- *ये परिस्थितियाँ तापमान के सामान्य से 2 ° से 4° सेल्शियस तक अधिक या कम हो जाने से बनती हैं ।*
- *सामान्य से अधिक तापमान हो जाने की स्थिति को **अल नीनो प्रभाव (El Nino Effect) कहा जाता है ।***
- *सामान्य से कम तापमान हो जाने की परिस्थिति को **ला नीना प्रभाव (La Nina Effect) कहा जाता है** चूंकि यह असामान्य परिस्थितियाँ क्रिसमस के आस - पास उत्पन्न हो हैं , अत : मौसम वैज्ञानिकों ने **इन्हें क्राइस्ट शिशु (Children of Christ) की** संज्ञा दी है ।*
- *ऐसा माना गया है कि अल नीनो की परिस्थितियाँ विकसित होने पर भारत में मानसून की प्रक्रिया कमजोर हो जाती है इसके विपरीत ला नीना की परिस्थितियाँ विकसित होने पर भारत में मानसून की सक्रियता बढ़ जाती है ।*

➢ ***अल नीनो प्रभाव की यान्त्रिकी (Mechanics of El Nino Effect) –***

- ✓ *दक्षिणी प्रशान्त महासागर में पेरू तट के निकट तापमान सामान्य से अधिक हो जाने पर वायुदाब की परिस्थितियाँ प्रभावित होती हैं ।*
- ✓ *तापमान में वृद्धि के प्रभाव के कारण इस क्षेत्र में वायुदाब सामान्य से कम हो जाता है । भूमण्डलीय वायुदाब तन्त्र तथा वायुप्रवाह तन्त्र पर इसके प्रभाव पड़ने की कल्पना की गई है । पेरू तट के निकट सामान्य से कम वायुदाब हो जाने के कारण यहाँ से दक्षिणी - पूर्वी व्यापारिक पवनों को धकेलने वाला बल (Push Factor) क्षीण हो जाता है ।*
- ✓ *इसके स्थान पर यहाँ व्यापारिक पवनों को आकर्षित करने वाला या खींचने वाला बल (Pull Factor) प्रभावी हो जाता है ।*
- ✓ *इसके कारण इन व्यापारिक पवनों का एशिया की ओर प्रवाह भी कमजोर पड़ जाता है । इसके परिणामस्वरूप भारत में ग्रीष्मकालीन मानसून के देरी से आने की तथा कमजोर होने की सम्भावनाएँ व्यक्त की जाती हैं ।*

कूट :
(1) (अ) एवं (ब)
(2) (अ), (स) एवं (द)
(3) (अ), (ब) एवं (द)
(4) (अ), (ब), (स) एवं (द) **(3)**

सूती वस्त्र उद्योग

- भारत में सूती वस्त्र निर्माण की परम्परा अति प्राचीन है ।
- हेरोडोटस 434 ईसा पूर्व भारत आया और उसने लिखा की भारतीय सफेद फूल के पौधों से बने सुन्दर कपड़े बना कर पहनते थे ।
- आज से 5000 से 8000 वर्ष पूर्व भी उत्तम कपड़ा बुना जाता था , जिसको हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो की खोज ने प्रमाणित किया है ।
- यह कुटीर वस्त्र उद्योग 18वीं शताब्दी तक चलता रहा , लेकिन यूरोप की औद्योगिक क्रान्ति में उद्योग को बहुत बड़ा झटका दिया । मशीन युग ने इस उद्योग को जर्जर बना दिया , साथ ही भारत में रेल मार्ग का विकास एवं पूर्व पश्चिम के बीच स्वेज मार्ग का खुल जाना अन्तिम आघात था ।
- भारत में आधुनिक वस्त्र उद्योग का प्रारम्भ 1818 में कोलकत्ता में कावसजी डाबर द्वारा मुम्बई में स्थापित की गई ।
- यह सर्वाधिक विकेन्द्रीत उद्योग है । वर्तमान में सर्वाधिक कारखाने गंगा के मैदान एवं दक्षिण प्रायद्वीपीय प्रदेश में है ।
- महाराष्ट्र का भारत में सूती वस्त्र उत्पादन की दृष्टि से प्रथम स्थान है जहाँ 181 मिले कार्यरत है ।
- मुम्बई सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण केन्द्र देश की प्रथम मिल यहीं स्थापित की गई ।
- अकेले मुम्बई में 57 सूती वस्त्र मिले हैं । इसी कारण मुम्बई को सूती वस्त्र की राजधानी कहते हैं।
- भारत में गुजरात दूसरा सबसे बड़ा सूती वस्त्र उत्पादक राज्य हैं जहाँ 135 मिले कार्यरत है। जिनमें से 65 अकेले अहमदाबाद में है । अहमदाबाद को पूर्व का बोस्टन कहते हैं।
- उत्तर प्रदेश राज्य में 36 सूती वस्त्र मिले स्थित है, जो आयातित कपास पर निर्भर है। कानपुर राज्य का प्रमुख केन्द्र है। जहाँ 10 मिले हैं। कानपुर को उत्तरी भारत का मेनचेस्टर कहते हैं ।
- राजस्थान में भीलवाड़ा, बाँसवाड़ा, उदयपुर, ब्यावर, पाली में इस उद्योग के कारखाने हैं।

➢ **चीनी उद्योग**

- भारत में चीनी (शक्कर) का उत्पादन गन्ने से किया जाता हैं ।
- चीनी उद्योग कृषि आधारित उद्योग में सूती वस्त्र के बाद द्वितीय स्थान पर आता है।
- भारत में शक्कर (चीनी) उद्योग का विकास 3000 ईसा पूर्व से कुटीर उद्योग के रूप में किया जाता रहा है ।
- वैदिक साहित्य चाणक्य के अर्थशास्त्र मेगास्थनीज की इण्डिका में भारत के लोगों द्वारा गन्ने से गुड , खाण्डसारी बनाने में की कला का विस्तृत वर्णन किया गया है किन्तु बड़े उद्योग के रूप में इसका विकास 20 वीं सदी से प्रारम्भ हुआ ।
- इसके पूर्व 1841-42 एवं 1899 में भी प्रयास किए जो असफल रहे ।
- 1903 में अंग्रेजों द्वारा बिहार के मढ़ोर(सारण जिला) में प्रथम सफल चीनी मिल की स्थापना की गई । इसके पश्चात् बिहार से सटे उत्तर प्रदेश में भी कई चीनी मिलों की स्थापना की गई थी ।
- चीनी उद्योग एक वजन ह्रास उद्योग है ।
- भारत में 90 % चीनी उत्तर प्रदेश , महाराष्ट्र , बिहार, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु तथा कर्नाटक में तैयार की जाती है ।
- उत्तर प्रदेश यहाँ देश का सर्वाधिक गन्ना क्षेत्र एवं मिलों की संख्या में भी राज्य का स्थान प्रथम था।

➢ **रासायनिक उर्वरक उद्योग:-**

- हरित क्रांति को सफल बनाने में सबसे महत्त्वपूर्ण योगदान इसी उद्योग का रहा ।
- भारत नाइट्रोजन उत्पादकों का दूसरा सबसे बड़ा तथा फॉस्फेट उर्वरकों का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक हैं
- भारत में पोटाश उर्वरकों का उत्पादन नहीं होता हैं ।
- रसायनिक उर्वरकों के अन्तर्गत तीन प्रकार के उर्वरकों का उत्पादन होता हैं - नाइट्रोजन, फॉस्फेटिक व पोटश उर्वरक
- भारत की जलोढ़ मृदा में नाइट्रोजन की कमी के कारण यहाँ नाइट्रोजन उर्वरक की मांग व उत्पादन अधिक होता हैं ।
- भारत में मुख्यतः 2 प्रकार के उर्वरकों का उत्पादन किया जाता हैं -
  (1) नाइट्रोजन आधारित उर्वरक
  (2)फॉस्फोरस आधारित उर्वरक
- भारत का पहला उर्वरक कारखाना 1906 में रानीपेट (तमिलनाडु) में स्थापित किया गया ।
- 1961 में भारतीय उर्वरक निगम की स्थापना की गई ।

प्रमुख रसायनिक उर्वरक कंपनियाँ -

- फर्टीलाइजर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लि.(FCI)- सिंदरी, गोरखपुर, तालचेट व रामागुण्ड़म
- राष्ट्रीय केमिकल्स व फर्टीलाइजर्स लि.(RCF) ट्राम्बे व थाल (महाराष्ट्र)
- इंडियन फामर्स फर्टीलाइजर कॉपरेटिव लि.(IFFCO) कलोल व कांड़ला (गुजरात), फूलपुर व आंवला (उत्तर प्रदेश)
- कृषक भारती कॉपरेटिव लि. (कृभको) - हजीरा

पेट्रो रसायन उद्योग:-

- इसे चार भागों में विभाजित किया सकता हैं -;
  (1) पॉलीमर / प्लास्टिक
  (2) कृत्रिम रेशा / सिंथेटिक रेशा

- यह पर्वत माला उत्तर भारत को दक्षिण भारत से अलग करती है।
- यह मध्यप्रदेश की सबसे प्राचीन पर्वत श्रेणी होने के साथ ही विश्व की सर्वाधिक प्राचीनतम पर्वत श्रेणियों में से एक है।
- मध्यप्रदेश में इसका विस्तार अलीराजपुर, धार, बडवानी, इंदौर, खरगोन, खंडवा, देवास, हरदा, सीहोर, होशंगाबाद, नरसिंहपुर, जबलपुर, दमोह, कटनी, छतरपुर, पन्ना , सतना, रीवा, सीधी, उमरिया, तथा सिंगरौली तक विस्तृत है।
- विंध्याचल माला की उप श्रेणियों में भांडेर तथा कैमुर प्रमुख है।

भांडेर श्रेणी :- विंध्य की भांडेर श्रेणी का विस्तार मध्यप्रदेश के छतरपुर, दमोहऔर पन्ना जिले में है ।

- रीवा पन्ना के पठार में विंध्य की सबसे ऊँची चोटी गुडविल चोटी 752 मीटर दमोह में स्थित है।
- गुडविल शिखर को कलुमर तथा कलुम्बे शिखर के नाम से भी जाना जाता है।

- **कैमूर श्रेणी :-**

कैमूर पहाड़ियाँ विंध्य पर्वत श्रेणी का पूर्वी हिस्सा है।
यह मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले के कटंगी से प्रारंभ होकर कानी, सतना, रीवा सीधी व सिंगरौली तक फैली हुई है।
इसकी औसत ऊँचाई 450 से 600 मीटर के मध्य है।

अध्याय- 6

मध्यप्रदेश की जलवायु

जलवायु :-

- किसी भी क्षेत्र में लंबे समय तक पायी जाने वाली ताप, वर्षा, आर्द्रता आदि की मात्रा तथा वायु की गति का औसत रूप में पाया जाना जलवायु कहलाता है।
- किसी भी स्थान की दिन-प्रतिदिन की वायुमंडल की दशा को मौसम कहा जाता है। जबकि मौसम का दीर्घकालीन औसत स्वरूप जलवायु कहा जाता है।
- पूरे देश की तरह मध्यप्रदेश की जलवायु भी पुर्णतः मौसमी अर्थात् मानसूनी या उष्णकटिबंधीय मानसूनी है।

मध्यप्रदेश की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारकः-

1. **समुद्र से दूरी :-** समुद्र से दूरी अधिक होने के कारण तापान्तर अधिक होता है।
2. **कर्क रेखा :-** कर्क रेखा के मध्यप्रदेश के बीच से गुजरने के कारण जून का महीना सबसे अधिक गर्म होता है।
3. **पर्वतों की स्थिति :-** विंध्याचल एवं सतपुडा पर्वत के कारण यहाँ वर्षा अधिक होती है।
4. **भूमध्य रेखा से दूरी :-** मध्यप्रदेश उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में स्थित है, इसलिए यहाँ पर उष्णकटिबंधीय जलवायु पायी जाती है।

जलवायु के आधार पर मध्यप्रदेश का विभाजनः-
जलवायु के आधार पर मध्यप्रदेश की चार भागों में विभाजित किया गया है।

1. उत्तर का मैदान :-

- इसमें बुन्देलखण्ड मध्यभारत तथा रीवा पन्ना का पठार शामिल है।
- समुद्र से दूर होने के कारण यहाँ गर्मियों में अधिक गर्मी सर्दियों में अधिक सर्दी पड़ती है।
- इस क्षेत्र की जलवायु महाद्वीपीय प्रकार की है।

2. मालवा का पठार :- यहाँ की जलवायु सम पायी जाती है। अर्थात् यहाँ पर न तो ग्रीष्म ऋतु में अधिक गर्मी और न शीत ऋतु में अधिक ठण्ड पड़ती है।

- यहाँ सबसे अधिक वर्षा अरब सागर के मानसूनों से होती है।
- चीनी यात्री फाह्यान ने इसे विश्व की सर्वश्रेठ जलवायु बताया है।

3. विंध्य का पहाड़ी क्षेत्र :-

- विंध्याचल पर्वत का क्षेत्र सम जलवायु क्षेत्र है।
- इसमें अधिक गर्मी नहीं पड़ती और ठण्ड में भी साधारण ठण्ड पड़ती है।
- पचमढ़ी और अमरकंटक इसी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

4. <u>नर्मदा घाटी क्षेत्र</u> :-

- यह क्षेत्र कर्क रेखा के लगभग समानांतर होने के कारण गर्मियों में इस क्षेत्र में तेज गर्मी पड़ती है लेकिन सर्दियों में सर्दी सामान्य ही रहती है।

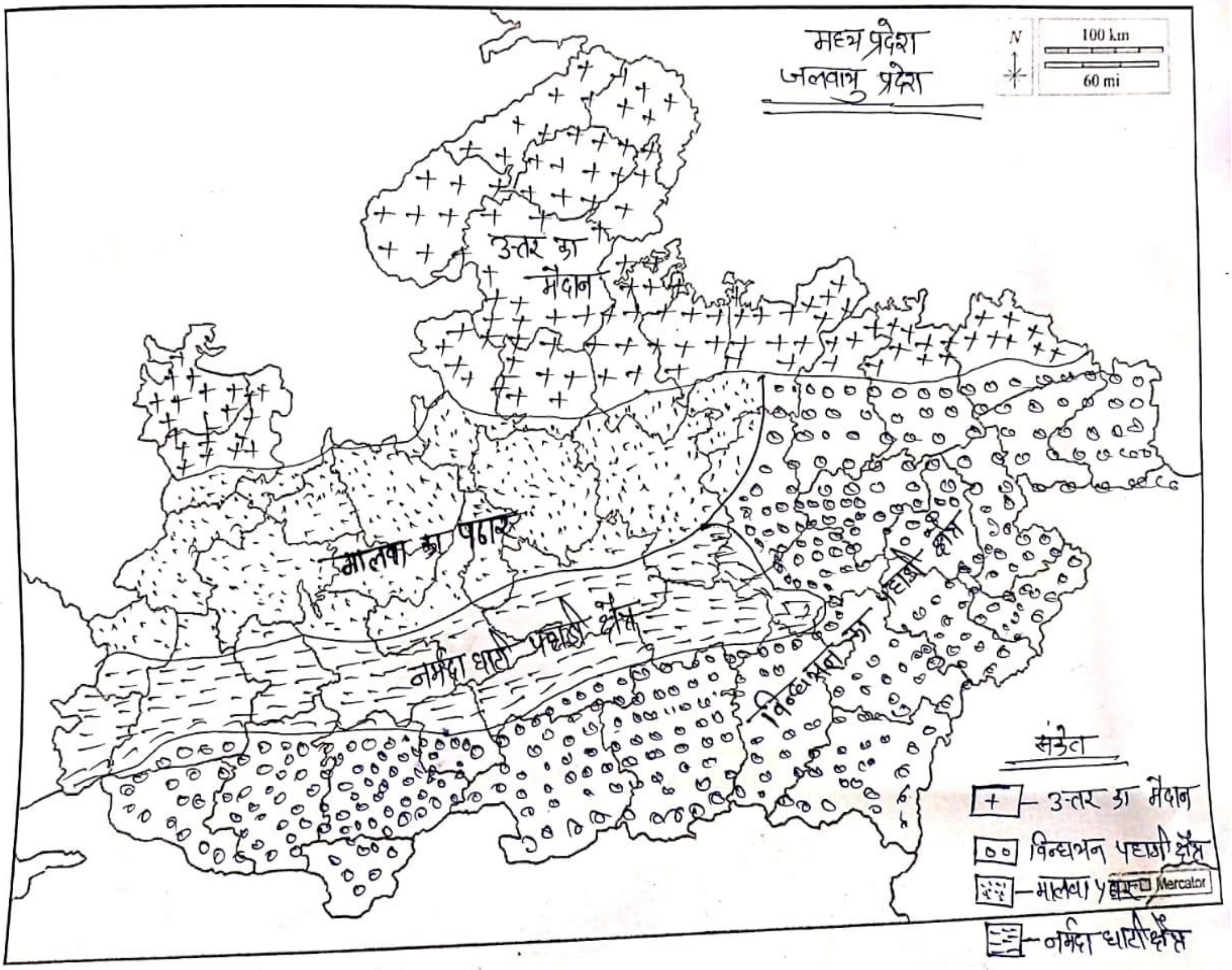

<u>मध्यप्रदेश की ऋतुएँ</u> :-

1. <u>ग्रीष्म ऋतु</u> :-

- कर्क रेखा मध्यप्रदेश के बीचों बीच से गुजरती है, 21 जून को सूर्य कर्क रेखा पर लम्बवत चमकता है जिस कारण मध्यप्रदेश में गर्मी बढ़ जाती है।
- जून माह से राज्य के उत्तर एवं उत्तरी-पश्चिमी भागों में दिन का उच्चतम तापमान 42 सेंटीग्रेड से अधिक हो जाता है।
- सर्वाधिक तापमान विदिशा के गंजबासौदा में 1955 में 48.7 डिग्री मापा गया।
- 2008 – 12 में सर्वाधिक तापमान बडवानी तथा 2013 में छतरपुर जिले के खजुराहो व नौगाँव में दर्ज किया गया है।
- सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में मई का महीना सबसे गर्म होता है जबकि मार्च में दैनिक तापान्तर सर्वाधिक होता है।
- ग्रीष्म ऋतु को उनाला/ उन्हला भी कहते हैं।
- सितम्बर-अक्टूबर के समय मध्यप्रदेश में द्वितीय ग्रीष्म ऋतु पड़ती है।
- राज्य में न्यूनतम तापमान वाला स्थान शिवपुरी है, लेकिन वर्ष 2002 में सबसे कम तापमान उम्रिया का रहा था।

2. <u>वर्षा ऋतु</u> :-

- जून मध्य तक पश्चिमोत्तर भारत में निम्न दाब के केन्द्र बनना शुरू हो जाते हैं, जिसके कारण सागरों से हवाएँ इस ओर चलने लगती है जिनसे मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा होती है।
- राज्य में मध्य जून से सितम्बर तक वर्षा ऋतु होती है।
- राज्य में मानसूनी वर्षा बंगाल की खाड़ी और अरब सागर दोनों ही शाखाओं से होती है।
- मध्यप्रदेश में सर्वाधिक वर्षा जुलाई तथा अगस्त माह में 75 सेमी. तक होती है।
- मध्यप्रदेश में वर्षा सभी स्थानों पर समान नहीं है।
- पश्चिम मध्यप्रदेश के 75 से 90 सेमी. वर्षा वाले भाग के बीच महादेव की पहाड़ी पर 150 सेमी. वर्षा होती है।
- पश्चिम की अपेक्षा (औसत 75 सेमी.) पूर्वी मध्यप्रदेश में वर्षा अधिक होती है। औसत वर्षा 125 सेमी. है।

तेल शोधन संयंत्र

मध्य प्रदेश के सागर जिले की बीना तहसील से लगभग 10 कि.मी. दूर आसागौंड़ में प्रदेश के प्रथम तेल शोधन संयंत्र की स्थापना की गई है जिसका शिलान्यास तत्कालीन प्रधानमंत्री पी. वी. नरसिंहराव ने 15 दिसंबर, 1995 को किया था।

चिपबोर्ड व पार्टिकल बोर्ड बनाने का कारखाना- इटारसी, दियासलाई के डिब्बे बनाने का कारखाना - ग्वालियर तथा हरी निकालने का कारखाना - धमतरी में स्थापित हैं।

कुटीर उद्योग (Collage industry)

प्रदेश की जनता का एक बड़ा भाग कुटीर उद्योगों से अपना जीविकोपार्जन 'चलाता है। यहाँ के प्रमुख कुटीर उद्योग इस प्रकार हैं- बीड़ी, सिगार व तम्बाकू का निर्माण यहाँ के हथकरघा से कपड़े का उद्योग व चन्देरी की साड़ियाँ विश्वविख्यात हैं। इसके अलावा जूट, बटुआ व सिल्क का काम, शीशे, मोती, लाख के जेवरात, हीरों को तराशना व उन पर पॉलिश करना, खजूर के पत्तों के पत्तों का सामान बनाना, कपड़ों की छपाई, खाद्य पदार्थों में बेकरी, आचार, चटनी आदि बनाना, शरबत, सोडा व अन्य पेय, लकड़ी के खिलौने, फर्नीचर कागज का निर्माण, छपाई व प्रकाशन का कार्य, चमड़े से बनी वस्तुएँ टायर ट्यूब व रबर से बनी वस्तुएँ मधुमक्खी पालन आदि प्रमुख हैं।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना : इस योजना के अंतर्गत 20,000 तक की आबादी वाले ग्रामों में खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग द्वारा मान्य विभिन्न ग्रामोद्योगी इकाइयों की स्थापना हेतु बैंकों के माध्यम से ऋण/मार्जिन मनी उपलब्ध कराई जाती है। योजनांतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना हेतु गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले सामान्य, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के शिल्पियों लागत का 50 प्रतिशत तकि, परन्तु अधिकतम 25 हजार रुपये का को उन्नत उपकरण एवं कार्यशील पूंजी की व्यवस्था हेतु कुल अनुदान दिया जाता है।

छपाई व प्रकाशन का कार्य चमड़े से बनी वस्तुएँ टायर ट्यूब व रबर से बनी वस्तुएँ मधुमक्खी पालन आदि प्रमुखहैं।

हथकरघा उद्योग: हथकरघा उद्योग परम्परागत एवं कलात्मक वस्त्रों के उत्पादन के साथ-साथ प्रदेश के बुनकरों को रोज़गार उपलब्ध कराता है।

खादी तथा ग्रामोद्योग: मध्य प्रदेश के विभिन्न स्थानों में सूती खादी, पॉली वस्त्र, रेशमी खादी एवं ऊनी खादी के कुल 13 उत्पादन केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं।

अध्याय – 13

मध्यप्रदेश की जनगणना

जनगणना आयुक्त कार्यालय द्वारा (जनगणना महानिदेशक श्री सी. चन्द्रमौलि) जनगणना 2011 के अन्तिम आंकड़े जारी किए गए। यह मध्य प्रदेश की छठी एवं देश की पन्द्रहवीं जनगणना थी। मध्य प्रदेश के जनगणना निदेशक सचिन सिन्हा थे ।

जनसंख्या	अंतिम आंकड़े
कुल जनसंख्या	72626809
पुरुष जनसंख्या	37612306
महिला जनसंख्या	35014503
लिंगानुपात (महिलाएं प्रति 1000 पुरुषों पर)	931 (21वां क्रम)
जन- घनत्व (जनसंख्या प्रति वर्ग कि.मी.)	236

जनगणना 2011 लिंगानुपात (मध्य प्रदेश एवं भारत)

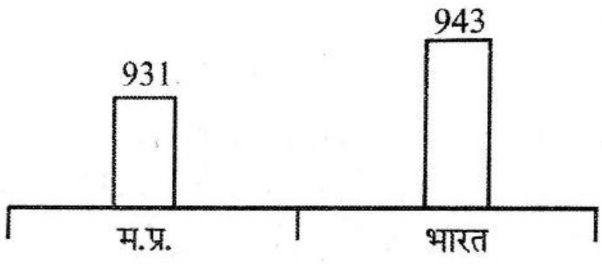

- जनगणना संघ का विषय है जिसका उल्लेख अनुच्छेद 246 में है ।
- जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत जनगणना कार्य किया जाता है ।

मध्य प्रदेश एक नजर में	
जनसंख्या	7.26 करोड़ (लगभग) (2001 में 6.03 करोड़)
भारत की जनसंख्या का	6% भाग
पुरुष	3.76 करोड़ (2001 में 3.14 करोड़)
महिला	3.5 करोड़ (2001 में 2.89 करोड़)
लिंगानुपात	931 महिलायें प्रति 1000 पुरुषों पर (2001 में 919 प्रति हजार पुरुष पर)
शिशु लिंगानुपात	918 कन्याएं (प्रति हजार लड़कों पर) (2001 में 932)
जनसंख्या का घनत्व	236 व्यक्ति (प्रति वर्ग कि.मी.) (2001 में 196)
साक्षरता दर	69.3% (200163.74%)
पुरुष साक्षरता	78.7% (200176.06%)
महिला साक्षरता	59.2% (2001 50.29%)
नगरीय जनसंख्या	27.6%

धर्मानुसार जनसंख्या (जनगणना 2011) (हजार में)	
हिन्दू	66,007
मुस्लिम	4,775
ईसाई	213
सिख	151
बौद्ध	216
जैन	567
अन्य	600

लिंगानुपात घनत्व एवं दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर के आधार पर जनसंख्या वितरण-2011

क्र. सं.	जिले	जनसंख्या 2011			लिंगानुपात		जन- घनत्व		दशकीय वृद्धि दर (%)
		कुल व्यक्ति	पुरुष	महिलाएं	2011	2001	2001	2011	
1.	श्योपुर	687861	361784	326077	902	895	85	104	22.9
2.	मुरैना	1965970	1068417	897553	839	822	319	394	23.4
3.	भिण्ड	1703005	926843	776162	838	829	320	382	19.2
4.	ग्वालियर	2032036	1090327	941709	862	848	358	446	24.5
5.	दतिया	786754	420159	366597	875	856	247	271	18.5
6.	शिवपुरी	1726050	919795	806255	877	855	137	171	22.8
7.	गुना	1241519	649362	592157	910	850	153	194	27.0
8.	टीकमगढ़	1445166	7608355	68481	901	886	238	286	20.1
9.	छतरपुर	1762375	936121	826254	884	869	170	203	19.5
10.	पन्ना	1016520	533480	483040	907	901	120	142	18.7
11.	सागर	2378458	1256257	1122201	896	884	197	232	17.6
12.	दमोह	1264219	661873	602346	913	901	148	173	16.6
13.	सतना	2228935	1157495	1071440	927	925	249	297	19.2
14.	रीवा	2365106	1225100	1140006	930	941	313	375	19.9
15.	उमरिया	644758	30674	314084	953	946	127	158	25.0

न्यूनतम महिला साक्षरता प्रतिशत वाले 5 जिले इस प्रकार हैं

न्यूनतम महिला साक्षरता दर वाले जिले	
जिले	**साक्षरता दर (%)**
अलीराजपुर	30.3
झाबुआ	33.8
बड़वानी	42.4
श्योपुर	44.4
सिंगरौली	48.5

क्षेत्रफल में 7 बड़े जिले (वर्ग कि.मी. में)		क्षेत्रफल में 7 छोटे जिले (वर्ग कि.मी. में)	
छिंदवाड़ा	11815	निवाड़ी	1318
सागर	10252	दतिया	2691
शिवपुरी	10066	भोपाल	2772
बैतूल	10043	आगर	2785
बालाघाट	9229	अलीराजपुर	3182
सिवनी	8758	हरदा	3334
छतरपुर	8687	बुरहानपुर	3427

मध्य प्रदेश में संभागवार लिंगानुपात व वृद्धि दर			
क्र. स.	**संभाग**	**लिंगानुपात**	वृद्धि दर
1.	इंदौर	958	26.3
2.	ग्वालियर	882	23.5
3.	भोपाल	918	23.0
4.	चम्बल	848	21.7
5.	रीवा	931	21.5
6.	सागर	896	18.5
7.	शहडोल	968	18.3
8.	उज्जैन	953	16.8
9.	जबलपुर	967	15.5
10.	नर्मदापुरम	944	14.6

- सर्वाधिक शिशु लिंगानुपात - 978 अलीराजपुर
- न्यूनतम शिशु लिंगानुपात - 829 मुरैना

मध्य प्रदेशः प्रशासनिक इकाई	
जिले	**52**
संभाग	10
तहसील	428
जनपद	313
ग्राम पंचायतें	22812
गांव	54903

सर्वाधिक अनुसूचित जाति जनसंख्या वाले जिले (जनगणना 2011)	
जिले	जनसंख्या
इन्दौर	545239
उज्जैन	523869
सागर	501630
मुरैना	421519
छतरपुर	405313

सर्वाधिक अनुसूचित जाति जनसंख्या प्रतिशत वाले जिले (जनगणना 2011)	
जिले	प्रतिशत (%)
उज्जैन	26.4
दतिया	25.5
टीकमगढ़	25.0
शाजापुर	23.4
छतरपुर	23.0

न्यूनतम अनुसूचित जाति जनसंख्या एवं प्रतिशत वाले जिले (जनगणना 2011)	
जिले	जनसंख्या
झाबुआ	17427 (1.7%)
अलीराजपुर	26877 (3.7%)
डिंडोरी	39782 (5.6%)
मण्डला	48425 (4.6%)
बड़वानी	87991 (6.3%)

- नगरीय साक्षरता दर (मध्य प्रदेश) - 82.8%
- ग्रामीण साक्षरता दर (मध्य प्रदेश) - 63.9%
- मध्य प्रदेश में शीर्ष वृद्धि दर 32.9% इन्दौर व न्यूनतम वृद्धि दर 12.3% अनूपपुर में रही है।
- भारत की कुल जनसंख्या का 6% मध्य प्रदेश में है, जबकि छत्तीसगढ़ में 2.10% है।
- 0-6 आयु वर्ग में अलीराजपुर में लिंगानुपात 978 है, जबकि मुरैना में मात्र 829 है।
- जबलपुर संभाग में साक्षरता दर 75.8 है, जबकि इंदौर में 64.4 है।
- देश में 6.41 लाख ग्राम हैं- 68.84% ग्रामीण जनसंख्या है।
- मध्य प्रदेश की नगरीय जनसंख्या 20069405 (27.6%)।
- सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या प्रतिशत वाले जिले - भोपाल (80.9%), इन्दौर (74.1%), ग्वालियर (62.7%))
- न्यूनतम नगरीय जनसंख्या - डिण्डौरी (4.6%), अलीराजपुर (7.8%), सीधी (8.3%)।
- सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या - इन्दौर में 24 लाख है (भोपाल 19.17 लाख) ।
- सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या - रीवा में 19.69 लाख है (धार 17.72 लाख) ।
- 1 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर मध्य प्रदेश में 33 हैं (देश में 468) ।

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से विभिन्न परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें - (Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न, 150 में से)

RAS Pre 2023 - https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न, 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6UR0

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD - 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये
RAS Pre. 2023	01 अक्तूबर 2023	96 प्रश्न (150 मेंसे)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)

whatsapp - https://wa.link/yqtoiy 1 web.- https://bit.ly/3AAJwpU

SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Our Selected Students

Approx. 137+ students selected in different exams. Some of them are given below -

Photo	Name	Exam	Roll no.	City
	Mohan Sharma S/O Kallu Ram	Railway Group - d	114195120370022	PratapNagar Jaipur
	Mahaveer singh	Reet Level- 1	1233893	Sardarpura Jodhpur
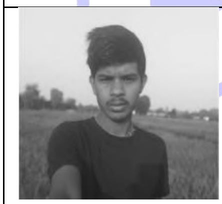	**Sonu Kumar Prajapati S/O Hammer shing prajapati**	SSC CHSL tier-1	2006018079	Teh.- Biramganj, Dis.- Raisen, MP
N.A	**Mahender Singh**	EO RO (81 Marks)	N.A.	teh nohar , dist Hanumangarh
	Lal singh	EO RO (88 Marks)	13373780	Hanumangarh
N.A	**Mangilal Siyag**	SSC MTS	N.A.	ramsar, bikaner

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	MONU S/O KAMTA PRASAD	SSC MTS	3009078841	kaushambi (UP)
	Mukesh ji	RAS Pre	1562775	newai tonk
	Govind Singh S/O Sajjan Singh	RAS	1698443	UDAIPUR
	Govinda Jangir	RAS	1231450	Hanumangarh
N.A	**Rohit sharma s/o shree Radhe Shyam sharma**	RAS	N.A.	Churu
	DEEPAK SINGH	RAS	N.A.	Sirsi Road , Panchyawala
N.A	**LUCKY SALIWAL s/o GOPALLAL SALIWAL**	RAS	N.A.	AKLERA , JHALAWAR
N.A	**Ramchandra Pediwal**	RAS	N.A.	diegana , Nagaur

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Monika jangir	RAS	N.A.	jhunjhunu
	Mahaveer	RAS	1616428	village-gudaram singh, teshil-sojat
N.A	**OM PARKSH**	RAS	N.A.	Teshil-mundwa Dis- Nagaur
N.A	**Sikha Yadav**	High court LDC	N.A.	Dis- Bundi
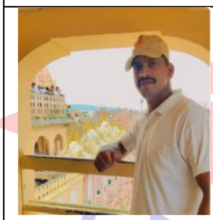	**Bhanu Pratap Patel s/o bansi lal patel**	Rac batalian	729141135	Dis.-Bhilwara
N.A	**mukesh kumar bairwa s/o ram avtar**	3rd grade reet level 1	1266657	JHUNJHUNU
N.A	**Rinku**	EO/RO (105 Marks)	N.A.	District: Baran
N.A.	**Rupnarayan Gurjar**	EO/RO (103 Marks)	N.A.	sojat road pali
	Govind	SSB	4612039613	jhalawad

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Jagdish Jogi	EO/RO (84 Marks)	N.A.	tehsil bhinmal, jhalore.
	Vidhya dadhich	RAS Pre.	1158256	kota

And many others……

नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें

Whatsapp करें – https://wa.link/yqtoiy

Online order करें – https://bit.ly/3AAJwpU

Call करें - 9887809083

FREE SAMPLE